(c) and (d). The company was eligible to establish production of Catilan Capsules as per the then prevailing diversification policy. They were required to obtain a C.O.B. licence therefor on account of further revision of the policy in July, 1970 envisaging that where direct/indirect import of raw materials is involved in the manufacture of items whose production had been established under earlier policy of diversification, a C.O.B. Licence would have to be obtained.

M/s. Hoechst have also been granted a COB licence in respect of two other items viz., Vitahext and Hosta Cortin 'H' 10 ml. after verifying that they had established manufacture of these items without violation of the policy prevailing at that time.

In respect of two items viz., Hostacycline Syrup and Tetanus Antitoxin, Government took the view that production established was not according to policy and their application was rejected.

बिहार का सहरसा पिछड़ा क्षेत्र

4604. श्री विनायक प्रसाद यादव : क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि बिहार राज्य का सहरसा जिला देश का सर्वाधिक पिछड़े क्षेत्रों में से एक है और इसीलिए भूतपूर्व रेल मंत्री, स्वर्गीय श्री ललितनारायण मिश्र ने क्षतिग्रस्त रेल लाइनों को पुन : खोलने और नई लाइनें डालने के उद्देश्य से विभिन्न मार्गों का सर्वेक्षण करवाया था और यहां तक कि उन में से कुछ पर काम भी आरम्भ करवाया था; और

(ख) वर्तमान सरकार का विचार पहले से ही सर्वेक्षण की गई उन पुरानी और नई लाइनों का काम कब तक आरम्भ करवाने का है ?

रेल मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री शिव नारायण) : (क) और (ख) बिहार राज्य के सहरसा जिले में निम्नलिखित नयी लाइनों/आमान परिवर्तनों के लिए सर्वेक्षणों का काम पूरा हो गया है :—

(i) बिहारीगंज और सिसरी बख्तियारपुर से नई मीटर आमान लाइन के लिए इंजीनियरी एवं यातायात सर्वेक्षण :

सर्वेक्षण रिपोर्ट से पता चला है कि यह लाइन अर्थक्षम नहीं होगी, इसलिए इस परियोजना के निर्माण पर फिलहाल विचार नहीं किया जा रहा है ।

(ii) निर्मली सरायगढ़ मीटर आमान लाइन

इस लाइन के लिए एक सर्वेक्षण किया गया है और यह परियोजना विचाराधीन है ।

(iii) दोरम मधेपुरा और सिंघेश्वर स्थान के बीच रेलवे लाइन का सर्वेक्षण

सर्वेक्षण रिपोर्ट की जांच करने से पता चला है कि इस क्षेत्र में बसों, ट्रकों और यातायात के अन्य साधनों द्वारा पर्याप्त रूप से सहायता ली जा सकती है । अतः इस परियोजना के निर्माण के लिए फिलहाल विचार नहीं किया जा रहा है ;

(iv) सहरसा से तारापीठ महिशी तक नई मीटर आमान लाइन के निर्माण के लिए प्रारम्भिक इंजीनियरी एवं यातायात सर्वेक्षण

सर्वेक्षण रिपोर्ट 3-12-1977 को ही प्राप्त हुई है और उस पर सभी पहलुओं से विचार किया जा रहा है ।